येशु

प्रेम करता है सहायता करता है

येशु प्रेम करता है
येशु सहायता करता है

हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे (येशु) पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूंगा (मत्ती 11:28)।

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र (येशु) दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए (युहन्ना 3:16)।

इस दीन जन ने पुकारा तब यहोवा (येशु) ने सुन लिया, और उसको उसके सब कष्टों से छुड़ा लिया (भजन संहिता 34:6)।

वह (येशु) अपने वचन के द्वारा उन को चंगा करता और जिस गड़हे में वे पड़े हैं, उससे निकालता है (भजन संहिता 107:20)।

जिस प्रकार माता अपने

पुत्र को शान्ति देती है, वैस ही मैं भी तुम्हें शान्ति दुंगा; तुम को यरूशलेम ही में शान्ति मिलेगी (यशायाह 66:13)।

मैं तुझ को न बिसराऊंगा (यशायाह 44:21)। परखकर देखो कि यहोवा (येशु) कैसा भला है! क्या ही धन्य है वह पुरूष जो उसकी शरण लेता है (भजन संहिता 34:8)।

यीशु मसीह कल और आज और युगानुयुग एकसा है (इब्रानियों 13:8)।

मार्ग और सच्चाई और जीवन मैं (येशु) ही हूं; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंच सकता (युहन्ना 14:6)।

क्योंकि मनुष्य का पुत्र (येशु) खोए हुओं को ढूंढने और उन का उद्धार करने आया है (लूका 19:10)।

परन्तु जितनों ने उसे (येशुको) ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं (युहन्ना 1:12)।

क्योंकि उस (येशु) की परिपूर्णता से हम सब ने प्राप्त किया अर्थात अनुग्रह पर अनुग्रह (युहन्ना 1:16)।

परन्तु वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो जाएं (यशायाह 53:5)।

अच्छा चरवाहा मैं हूं; अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिये अपना प्राण देता है (युहन्ना 10:11)।

मन फिराओ क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आया है (मत्ती 4:17)।

उन्होंने कहा, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा (प्रेरितों के काम 16:31)।

जो कुछ पिता मुझे देता है वह सब मेरे पास आएगा, उसे मैं (येशु) कभी न निकालूंगा (युहन्ना 6:37)।

उसने जो मुझ (येशु) से स्नेह किया है, इसलिये

मैं उसको छुड़ाऊंगा; मैं उसको ऊंचे स्थान पर रखूंगा, क्योंकि उसने मेरे नाम को जान लिया है (भजन संहिता 91:14)।

और यदि मैं (येशु) जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूं, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊंगा, कि जहां मैं रहूं वहां तुम भी रहो (युहन्ना 14:3)।

क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है (रोमियों 6:23)।

क्योंकि जब हम निर्बल ही थे, तो मसीह ठीक समय पर भक्तिहीनों के लिये मरा (रोमियों 5:6)।

प्रभु येशु मसीह 2000 साल पहले इस संसार में आये। वह सब लोगों के लिए अच्छा काम कराता रहा और हर प्रकार की बिमारियों को चंगा किया। उसने परमेश्वर के राज्य के बारें में

सुसमाचार प्रचार किया। वह मरे हुए में से जीवित हुआ और आज भी जीवित है। वह कल और आज और युगानुयुग एकसा है। आज भी जो उसके पास आते हैं उनके लिए वो अच्छे काम करता है।

प्रार्थना : येशु, में आपसे प्रेम करता हूं, मेरे पापों को क्षमा करे, और मेरे रोगों को चंगा करे। मुझे शान्ति, आराम और ख़ुशी दीजिए। मुझे अनंत जीवन दीजिए और मुझे आशीषित कीजिए। आमीन।